अंतिम तिमाही में सरकार जुटाएगी 3 .84 लाख करोड़

टी-बिल नीलामी कैलेंडर जारी, बाजार पर रहेगी नजर

91, 182 और 364 दिन के ट्रेजरी बिलों की नियमित नीलामी से जुटेगा फंड

नई दिल्ली, 30 दिसंबर. चालू वित्त वर्ष के अंतिम चरण में केंद्र सरकार ने अपनी नकदी जरूरतों को पूरा करने के लिए ठोस रणनीति तैयार कर ली है. सरकार ने जनवरी से मार्च 2026 के बीच ट्रेजरी बिलों के माध्यम से 3.84 लाख करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य तय किया है.

इसके लिए वित्त मंत्रालय ने नीलामी का विस्तृत कैलेंडर जारी कर दिया है, जिससे बाजार और निवेशकों को पहले से स्पष्ट संकेत मिल सके. ट्रेजरी बिल सरकार द्वारा जारी किए जाने वाले अल्पकालिक ऋण उपकरण होते हैं, जिनकी मियाद एक साल से कम होती है. इन्हें अंकित मूल्य से कम कीमत पर जारी किया जाता है और परिपक्वता पर निवेशकों को पूरा अंकित मूल्य लौटाया जाता है. यही कारण है कि ये जोखिम रहित निवेश माने जाते हैं और बैंकों, वित्तीय संस्थानों तथा मनी मार्केट निवेशकों के बीच इनकी अच्छी मांग रहती है. सरकार का यह कदम ऐसे समय में आया है जब वित्त वर्ष के अंतिम महीनों में खर्च का दबाव बढ़ जाता है. बुनियादी ढांचे, सामाजिक योजनाओं और नियमित प्रशासनिक जरूरतों के लिए नकदी प्रबंधन अहम हो जाता है. ऐसे में ट्रेजरी बिलों के जरिये फंड जुटाना सरकार के लिए एक संतुलित और व्यावहारिक विकल्प माना जा रहा है. केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 की अंतिम तिमाही के लिए ट्रेजरी बिलों की नीलामी का कैलेंडर जारी करते हुए कुल 3,84,000 करोड़ रुपये जुटाने की घोषणा की है.

> वित्त मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि भारतीय रिजर्व बैंक को बाजार की स्थिति और नकदी जरूरतों के अनुसार इस कैलेंडर या नीलामी राशि में बदलाव करने का अधिकार होगा. किसी भी बदलाव की जानकारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी जाएगी. विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार का यह कदम वित्तीय अनुशासन और पारदर्शिता को दर्शाता है. पहले से जारी कैलेंडर से बाजार सहभागियों को योजना बनाने में मदद मिलती है और ब्याज दरों पर अचानक दबाव नहीं पड़ता.

रुपया आठ पैसे कमजोर

मुंबई, 30 दिसंबर. अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया सोमवार को आठ पैसे टूटा और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 89.9825 रुपये का बोला गया. भारतीय मुद्रा लगातार तीसरे दिन कमजोर हुई है. पिछले कारोबारी दिवस पर यह 19 पैसे गिरकर 89.90 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी. रुपया आज शुरू से ही दबाव में रहा. यह पांच पैसे नीचे 89.95 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और ऊपर 89.89 रुपये तथा नीचे 89.99 रुपये प्रति डॉलर पर गया. अंत में 89.9825 रुपये प्रति डॉलर पर रहा. विदेशी संस्थागत निवेशकों के भारतीय पूंजी बाजार से पैसे निकालने और दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर में तेजी से रुपये पर दबाव रहा.

जेएसडब्ल्यू एमजी ने ईवी बायबैक योजना उतारी

गुरुग्राम, 30 दिसंबर. आज जेएसडब्लू एमजी मोटर इंडिया ने अपने इलेक्ट्रिक वाहनों पर एश्योर्ड बाय बैक प्रोग्राम शुरू करने की घोषणा की, ताकि ग्राहकों के लिए इलेक्ट्रिक वाहन खरीदना और अधिक आसान व सुगम हो सके.

इस घोषणा के बाद जेएसडब्लू एमजी मोटर इंडिया देश का पहला कार ब्रांड बन गया है, जो अपने इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए मौजूदा 3 साल से 5 साल तक की अवधि के लिए एश्योर्ड बायबैक प्रदान कर रहा है. इस प्रोगाम द्वारा इलेक्ट्रिक वाहन के खरीदारों को निर्धारित अवधि के बाद अपने वाहन के लिए फिक्स्ड रिसेल वैल्यू मिल सकेगी. इस नए व अद्वितीय प्रोग्राम के माध्यम से एमजी इलेक्ट्रिक वाहन के मालिकों को चयनित प्लान के आधार पर 3 साल, 4 साल या 5 साल के बाद गारंटीड रिसेल वैल्यू प्राप्त होगी. इस प्रोग्राम ने एमजी मोटर की मौजूदा पेशकशों को मजबूत बनाया है, जिसके अंतर्गत स्वामित्व के 3 सालों के बाद 60प्रतिशत तक की बाय-बैक वैल्यू की गारंटी मिलेगी. इसका संचालन किसी भी लोन या फाईनेंस स्कीम से अलग स्वतंत्र रूप से होगा. देश में पहली बार कमर्शियल एमजी जैड एस इलेक्ट्रिक वाहनों के मालिक अपने 3 साल तक पुराने एमजी वाहनों पर रिसेल के लाभ प्राप्त कर सकेंगे तथा उन्हें प्रतिवर्ष 60,000 रुपये तक का माईलेज मिलेगा. इस इनोवेटिव बायबैक प्रोग्राम के बारे में जेएसडब्लू एमजी मोटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर, अनुराग महरोत्रा ने बताया कि ''एमजी ने एक ग्राहक केंद्रित ब्रांड के रूप में बी-ए-ए-एस और ई.वी बैटरी पर लाईफ टाईम वॉरंटी जैसे प्रोग्राम पेश किए हैं.

रिकॉर्ड ऊंचाई से नीचे आई सोना-चांदी की कीमतें

एक दिन में 21 हजार टूटी चांदी, बाजार में हलचल

नई दिल्ली,30 दिसंबर. रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के ठीक बाद सोने और चांदी की कीमतों में आई तेज गिरावट ने निवेशकों को चौंका दिया है. बीते कुछ दिनों से लगातार चढ़ाव के बाद सोमवार को मेटल मार्केट में अचानक बड़ा करेक्शन देखने को मिला. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी ने जहां दिन की शुरुआत ऑल टाइम हाई से की, वहीं दिन खत्म होते-होते कीमतों में ऐतिहासिक गिरावट दर्ज हुई.

सोने और चांदी की कीमतों में इस अचानक आई गिरावट से बाजार में असमंजस की स्थिति बन गई है. निवेशकों के मन में सवाल उठ रहे हैं कि क्या यह गिरावट सिर्फ अस्थायी है या आने वाले दिनों में कीमती धातुओं की कीमतें और नीचे जा सकती हैं. खासकर चांदी में एक ही दिन में करीब 21 हजार रुपये प्रति किलो की गिरावट ने बाजार को हिला दिया. विशेषज्ञों के मुताबिक यह गिरावट लंबे समय से चली आ रही तेजी के बाद स्वाभाविक करेक्शन मानी जा रही है, लेकिन भू-राजनीतिक हालात और निवेशकों की रणनीति भी इसमें बड़ी भूमिका निभा रही है.

सोने और चांदी की कीमतों में सोमवार को आई तेज गिरावट को हाल के वर्षों की सबसे बड़ी गिरावटों में गिना जा रहा है. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी की कीमतें सुबह के कारोबार में 2,54,174 रुपये प्रति किलो के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई थीं, लेकिन शाम होते-होते भारी दबाव में आ गईं. कारोबार खत्म होने तक चांदी 2,23,502 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई, यानी एक ही दिन में लगभग 21,000 रुपये की गिरावट दर्ज की गई.

विशेषज्ञों के अनुसार चांदी में इस तरह की बड़ी गिरावट पहली बार देखी गई है, जब एक ही दिन में कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई छूने के बाद इतनी तेजी से नीचे आई हों. दिन के दौरान कई बार कीमतों में संभलने की कोशिश भी हुई, लेकिन बिकवाली का दबाव बना रहा.

> बाजार जानकारों का कहना है कि सोने-चांदी की कीमतें कई कारकों से प्रभावित होती हैं, जिनमें वैश्विक बाजार की चाल, भू-राजनीतिक तनाव, डॉलर की मजबूती, डिमांड-सप्लाई और निवेशकों का रुख प्रमुख है. हालिया गिरावट के पीछे लंबे समय से जारी तेजी के बाद करेक्शन, ट्रेडर्स पर मार्जिन का दबाव, भू-राजनीतिक तनाव में कमी और मुनाफावसूली जैसे कारण माने जा रहे हैं.

म्यूचुअल फंड सबसे लोकप्रिय विकल्प

राउंडअप 2025

मुंबई, 30 दिसंबर. सेवानिवृत्ति के बाद की जरूरत देश में लोगों की अब पहली प्राथमिकता बन गयी है और लोग सेवा निवृत्ति के बाद के बारे में महत्वाकांक्षी बन रहे हैं लेकिन इसको लेकर वास्तविक वित्तीय तैयारी रखने वालों का अनुपात तेजी से गिरा है. यह बात पीजीआईएम इंडिया म्यूचुअल फंड की सोमवार को जारी रिटायरमेंट रेडीनेस रिसर्च रिपोर्ट-2025में सामने आयी है.

रिपोर्ट के इस तीसरे संस्करण में कहा गया है कि दो वर्ष पहले जारी रिपोर्ट में रिटायरमेंट की योजना को लेकर चिंता 8वें स्थान पर थी लेकिन अब लोग सेवानिवृत्ति के बाद अपने परिवार केंद्रित चिंताओं से बढ़ कर जीवन शैली लाइफस्टाइल और उद्यम के लक्ष्यों के बारे में ज्यादा सोचने लगे हैं. सर्वे आधारित इस रिपोर्ट में कहा गया है कि सेवानिवृत्ति के बाद की महत्वाकांक्षाओं में इस विस्तार के बावजूद वास्तविक योजना के मामले में लोग पीछे हैं. रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 में बढ़ी और बदलती आकांक्षाओं के समक्ष 37 प्रतिशत लोगों के पास अपनी सेवानिवृत्ति को लेकर ठोस योजना थी.

रिपोर्ट के अनुसार 2023 में इस प्रकार के लोगों का अनुपात 67 प्रतिशत था. इसमें कहा गया है कि आज इंश्योरेंस-आधारित सुरक्षा पर निर्भर और सम्पत्ति के विस्तार के लक्ष्य रखने वालों के बीच अंतर तेजी से बढ़ा है. पहले लोग सेवानिवृत्ति के बाद पैसे की कमी के डर पर आधारित सोच के साथ सुरक्षा योजना बनाते थे. अब ज्यादा लोगों की सोच जीवन शैली और सम्मान की आकांक्षाओं पर आधारित हो रही है. इसमें लोग सेवानिवृत्ति बाद न केवल पैसे को लेकर सुरक्षित रहना चाहते हैं बल्कि अपनी शानो शौकत की आज़ादी भी चाहते हैं. झ

पीजीआईएम इंडिया एसेट मैनेजमेंट के सीईओ अभिषेक तिवारी ने कहा, जबकि रिटायरमेंट नंबर एक प्राथमिकता बन गया है, लेकिन तैयारी कम हो गई है. यह कोई नुकसान नहीं है, बल्कि सकारात्मक परिवर्तन का संकेत है.

> रिपोर्ट के मुताबिक लोगों की भविष्य की वित्तीय योजना में म्यूचुअल फंड का दबदबा है. म्यूचुअल फंड अपनाने वालों का अनुपात 35 प्रतिशत तक पहुंच गया है जो 2023 में 24 प्रतिशत था. इसके साथ ही नयी पेंशन योजना एनपीएस, पीपीएफ (लोक भविष्य निधि) और रिटायरमेंट-केंद्रित फंड को भी बढ़ावा मिल रहा है. लोग रेइट जैसे नए ज़माने की निवेश योजनाओं को भी चुन रहे हैं रिपोर्ट के अनुसार प्राथमिकताओं में एक और बड़ा बदलाव भी सामने आया है. पारिवारिक सुरक्षा और स्वास्थ्य आपात स्थिति, जो कभी हावी थीं, अब सूची में नीचे आ गई हैं. उनकी जगह, लाइफस्टाइल में सुधार, करोबार शुरू करना और व्यक्तिगत संतुष्टि जैसी आकांक्षाएं तेज़ी से बढ़ रही हैं.

85 ट्रेनों की रफ्तार बढ़ी, 23 ट्रेनों का सफर हुआ छोटा

अहमदाबाद, 30 दिसंबर. 01 जनवरी 2026 से अहमदाबाद मंडल पर नया टाइम टेबल लागू अहमदाबाद मंडल के विभिन्न स्टेशनों से चलने गुजरने वाली ट्रेनों के समय में बदलाव होने जा रहा है. पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मण्डल पर आगामी 01 जनवरी, 2026 से नई समय सारणी लागू की जा रही है.

इसमें कुछ ट्रेनों की गति बढ़ाई जा रही है, जिससे यह ट्रेनें अपने वर्तमान निर्धारित समय से पहले गंतव्य पर पहुंचेगी. इस बार अहमदाबाद मंडल से होकर जाने वाली 85 ट्रेनों की गति बढ़ाई गई है साथ ही 23 ट्रेनों के यात्रा में लगने वाले समय में 05 मिनट से लेकर 40 मिनट तक की कमी की गई है. ट्रेनों की गति बढ़ाए जाने के फलस्वरूप यात्री ट्रेनों के परिचालन समय में कमी आई है.

इसका पूरा लाभयात्रियों को मिलेगा व उन्हें अपने गंतव्य पर पहुंचने में समय की बचत होगी. अहमदाबाद डिविजन पर इस दौरान विभिन्न स्टेशनों पर 110 ट्रेनों का समय प्रीपोन किया गया है जिसमें ट्रेनें अपने पहले के समय से 5 मिनट से लेकर 40 मिनट तक जल्दी आएंगी. इसी तरह 57 ट्रेनों का समय पोस्टपोन किया गया जिसमें ट्रेनें अपने पहले के समय से 5 मिनट से लेकर 45 मिनट तक देरी से आएंगी.

नए साल पर एयर इंडिया ने बदले महाराजा क्लब किट

नई दिल्ली, 30 दिसंबर. टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया ने नये साल के मौके पर अपने गोल्ड और प्लेटिनम किटों में बदलाव की घोषणा की है.

एयरलाइन ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि जो यात्री गोल्ड और प्लेटिनम स्टेटस के लिए योग्यता हासिल करते हैं उन्हें यात्रा के दौरान ये किट प्रदान किये जाते हैं. महाराजा क्लब प्लेटिनम वेलकम किट में एक लेदर फोलियो, सदस्यता कार्ड, फ्रिज मैगनेट, विशेष तौर पर तैयार दो लगेज टैग, पासपोर्ट होल्डर, विशेष ताश के पत्ते और स्मारक पीतल का मेडल प्रदान किया जायेगा. महाराजा क्लब गोल्ड वेल्कम किट में सदस्यता कार्ड, विशेष तौर पर तैयार दो लगेज टैग और एक्रिलिक टी कोस्टर होगा.

आईसीआईसीआई प्रू वेल्थ फॉरएवर लॉन्च

मुंबई, 30 दिसंबर. आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने 'आईसीआईसीआई प्रू वेल्थ फॉरएवर' नाम से एक नई विरासती बीमा योजना लॉन्च करने की घोषणा की है. यह योजना उन ग्राहकों के लिए तैयार की गई है, जो अपने परिवार को दीर्घकालिक वित्तीय सुरक्षा और कर-मुक्त लाभ देना चाहते हैं.

कंपनी के अनुसार, इस पॉलिसी में लाइफ कवर की राशि हर महीने बढ़ती रहती है, जो ग्राहक की 99 वर्ष की उम्र तक जारी रहती है.

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने पेश किया मेटल कार्ड

प्राइवेट बैंकिंग में आईडीएफसी का नया प्रीमियम कार्ड

नई दिल्ली, 30 दिसंबर. आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने प्राइवेट बैंकिंग के ग्राहकों के लिए मेटल कार्ड गज पेश करने की घोषणा की है. आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने मंगलवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि यह कार्ड खास तौर पर बैंक के हाई-नेट-वर्थ वाले ग्राहकों के लिए पेश किया गया है और सिर्फ उन्हीं ग्राहकों को दिया जायेगा जिन्हें इसके लिए बैंक की तरफ से निमंत्रित किया जायेगा.

गज क्रेडिट कार्ड बैंक की प्रीमियम मेटल कार्ड सीरीज अश्व-मयूर-गज त्रिमूर्ति का सबसे खास हिस्सा है. संस्कृत में गज का अर्थ हाथी होता है जो शक्ति, बुद्धिमानी, स्थिरता और राजसी शान का प्रतीक है. गज क्रेडिट कार्ड आम ग्लोबल डिजाइन से अलग है. इसे धातु पर तैयार किया गया है और इसका सिग्नेचर दो-हाथी वाला डिजाइन है. इस कार्ड की जॉइनिंग और वार्षिक फीस 12,500 रुपये है जिस पर जीएसटी अलग से देय होगा.

कार्ड के साथ 12,500 इनविटेशन रिवॉर्ड पॉइंट्स मिलते हैं, जिन्हें आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ऐप पर यात्रा के टिकट बुकिंग में इस्तेमाल किया जा सकता है. एक रिवॉर्ड प्वाइंट एक रुपये के बराबर है. इसके अलावा, गज कार्ड के साथ शून्य विदेशी मुद्रा विनिमय शुल्क, और प्रीमियम ट्रैवल तथा लाइफस्टाइल सुविधाएं भी मिलती हैं.

समाचार विशेष

यूडीएफ में टीएमसी को जगह देने का मतलब

नई दिल्ली. राजनीति में कुछ भी उलटबांसी संभव है. कांग्रेस पार्टी इस समय भाजपा और एनडीए की पार्टियों के अलावा जिन पार्टियों की ओर से सबसे ज्यादा विरोध झेल ही है उनमें टॉप पर ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस है.

पश्चिम बंगाल में कांग्रेस को तृणमूल से भी लड़ना है. लेकिन उसी तृणमूल कांग्रस के साथ उसने केरल में समझौता कर लिया है. केरल में कांग्रेस ने ममता बनर्जी की पार्टी को यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट यानी यूडीएफ के सहायक दल के रुप में साथ जोड़ा है. कहा जा रहा है कि लेफ्ट के साथ रहे और दो बार से निर्दलीय विधायक का चुनाव जीत रहे मुस्लिम नेता पीवी अनवर के कारण कांग्रेस ने तृणमूल से तालमेल किया है. गौरतलब है कि पिछले दिनों लेफ्ट मोर्चे से तालमेल खत्म करके अनवर ने तृणमूल का दामन थामा.

अब सवाल है कि क्या केरल में कांग्रेस को मुस्लिम वोट के लिए किसी मुस्लिम चेहरे की जरुरत है? वहां कांग्रेस के प्रति मुस्लिम समुदाय का पूरा सद्भाव है. ईसाई और हिंदू वोट में लेफ्ट और भाजपा दोनों की टक्कर है लेकिन मुस्लिम वोट को लेकर कोई समस्या नहीं है.

दूसरे कांग्रेस के साथ पहले से इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग है. फिर क्यों उसने तृणमूल से तालमेल किया? यह किसी को समझ में नहीं आ रहा है. चुनाव में इसका मुद्दा बनेगा कि कांग्रेस पश्चिम बंगाल में तृणमूल से लड़ रही है और केरल में उसके साथ है.

झपिछले चुनाव में लेफ्ट को लेकर यह मुद्दा बना था क्योंकि लेफ्ट और कांग्रेस दोनों बंगाल में साथ लड़ रहे थे. इसे लेकर यह चर्चा भी शुरू हो गई है कि हो सकता है कि बंगाल में भी कांग्रेस और तृणमूल में तालमेल हो. अगर तृणमूल कुछ सीटें देकर भी तालमेल कर ले तो कांग्रेस के लिए केरल की राजनीति को जस्टिफाई करना आसान हो जाएगा.

बंगाल में तालमेल चाहते हैं हेमंत सोरेन

रांची. बिहार के बाद अब हेमंत सोरेन की नजर पश्चिम बंगाल पर है. वे अपनी झारखंड मुक्ति मोर्चा का विस्तार झारखंड से बाहर करना चाहते हैं.

इसके लिए बिहार, बंगाल, ओडिशा और छत्तीसगढ़ सबसे मुफीद राज्य हैं. उन्होंने बिहार में बहुत प्रयास किया था. वे दो सीटों पर भी लड़ने को तैयार थे लेकिन कांग्रेस और तेजस्वी यादव ने उनको ठेंगा दिखा दिया. वे आने वाले दिनों मे झारखंड में इसका हिसाब करेंगे. लेकिन अभी उन्होंने पश्चिम बंगाल पर फोकस किया है. बताया जा रहा है कि उनकी ओर से ममता बनर्जी की पार्टी से संपर्क किया गया है. वे चाहते हैं कि तृणमूल कांग्रेस के साथ जेएमएम का तालमेल हो. जानकार सूत्रों का कहना है कि वे प्रतीकात्मक तालमेल के लिए भी तैयार हो जाएंगे. इसका मतलब है कि अगर दो तीन सीट भी मिल जाए तो वे गठबंधन कर लेंगे. इससे उनकी पार्टी की पहचान मजबूत होगी.

ध्यान रहे पश्चिम बंगाल में छह फीसदी से कुछ ज्यादा आबादी आदिवासी है. झारखंड की सीमा पश्चिम बंगाल के दक्षिण हिस्से से जुड़ती है और इलाके में खास कर पुरुलिया और बांकुडा में आदिवासी आबादी अच्छी खासी है.

एआईएडीएमके और भाजपा नेताओं में सीटों पर मंथन

चेन्नई. तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में अब कुछ ही महीने बचे हैं, ऐसे में एआईएडीएमके और भाजपा नेताओं के बीच पहले दौर की बातचीत ने राज्य में राजनीतिक सरगर्मी तेज कर दी है. विधानसभा के आम चुनाव में कुछ ही महीने शेष रहने से राज्य में चुनावी बुखार चढ़ चुका है. दोनों बड़ी पार्टियों, डीएमके और एआईएडीएमके ने अपने गठबंधन का हिसाब-किताब शुरू कर दिया है और चुनाव की तैयारी तेज़ कर दी है.

एआईएडीएमके समेत पार्टियों को भी होने वाले उम्मीदवारों से आवेदन मिलने शुरू हो गए हैं. भाजपा ने एक कदम और आगे बढ़ते हुए मंगलवार को केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को चेन्नई भेजा, जिन्हें पिछले हफ्ते तमिलनाडु चुनाव इंचार्ज घोषित किया गया था. तमिलनाडु में 2026 विधानसभा चुनाव के लिए नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस की घोषणा पहले ही हो चुकी है, इसलिए भाजपा चुनाव प्रभारी पीयूष गोयल, अर्जुन राम मेघवाल के साथ मंगलवार को तमिलनाडु पहुंचे. वे तमिलनाडु में गठबंधन का चेहरा एआईएडीएमके के साथ सीट शेयरिंग, राज्य के राजनीतिक हालात और गठबंधन में नई पार्टियों को शामिल करने जैसे राजनीतिक रूप से जरूरी मुद्दों पर चर्चा करने के लिए यहां आए. इस बैठक के तुरंत बाद, वे एआईएडीएमके के सीनियर नेताओं की एक टीम से मिले, जिसका नेतृत्व पार्टी के जनरल सेक्रेटरी एडप्पादी पलानीस्वामी कर रहे थे. चेन्नई के एमआरसी नगर में एक प्राइवेट स्टार होटल में हुई इस राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बैठक के दौरान, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन, केंद्रीय राज्य मंत्री एल. मुरुगन, वरिष्ठ भाजपा नेता अरविंद मेनन, तमिलिसाई सुंदरराजन, वनथी श्रीनिवासन और अन्य महत्वपूर्ण नेता मौजूद थे.

नेताओं ने क्या चर्चा की?

जानकारी सामने आई है कि एआईएडीएमके और भाजपा नेताओं के बीच मीटिंग में सीट शेयरिंग पर चर्चा हुई, जिसमें नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस का हिस्सा पहले से मौजूद पार्टियों और शामिल होने की उम्मीद वाली पार्टियों, जैसे पीएमके, डीएमडीके, एएमएमके और ओपीएस गुट के लिए सीटों का बंटवारा शामिल था. खास तौर पर, यह बताया गया कि बातचीत के शुरुआती दौर में यह तय हुआ कि एआईएडीएमके 170 सीटों पर और भाजपा 23 सीटों पर चुनाव लड़ेगी. इसी तरह, मीडिया में कई रिपोर्ट्स में बताया गया कि अगर पीएमके नेशनल डेमोक्रेटिक गठबंधन में शामिल होती है तो उसे 23 सीटें देने, डीएमडीके और एएमएमके अगर गठबंधन में शामिल होते हैं तो उन्हें छह-

विशेष | मोदी और नड्डा के क्रिश्चियन आउटरीच के चुनावी मायने

ईसाइयों पर डोरे डाल रही भाजपा

नई दिल्ली. क्रिसमस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा दोनों ने ईसाई समुदाय से जुड़े दो बड़े कार्यक्रमों में हिस्सा लिया. 2026 में पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हैं, जिनमें तमिलनाडु और केरल जैसे दो राज्य और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी भी शामिल हैं.

इसलिए देश के सियासी गलियारों में यह चर्चा है कि बीजेपी इसी वजह से क्रिश्चियन आउटरीच में जुट गई है, क्योंकि उसे उन राज्यों में अपना राजनीतिक भविष्य चमकाना है, जहां अभी तक उसकी सियासी किस्मत ने साथ नहीं दिया है. ऐसे में यह समझना आवश्यक है कि क्रिसमस के मौके पर ईसाई समुदायों के बीच इस तरह से पहुंचने के मायने क्या हैं, क्योंकि विरोधी बीजेपी को सिर्फहिंदुत्व की विचारधारा का पैरोकार बताते हैं.

केरल, तमिलनाडु पर बीजेपी की नजर!- पहले हम केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में ईसाई आबादी पर गौर कर लेते हैं कि यहां ये चुनावी रूप में कितने अहम हैं. केरल में क्रिश्चियन जनसंख्या 18 प्रतिशत से थोड़ा ज्यादा है और तमिलनाडु, पुडुचेरी में इनकी आबादी 6 प्रतिशत से थोड़ी अधिक है.

मतलब इन तीन राज्यों में ईसाइयों का वोट केरल में ज्यादा प्रभावी है. वहीं तमिलनाडु और पुडुचेरी में भी यह महत्वपूर्ण हैं और जिस भी दल की ओर झुक जाएं, उनकी मदद हो सकती है. लेकिन तथ्य यह है कि ऐसा पहली बार नहीं हुआ है कि पीएम मोदी ईसाइयों से जुड़े किसी पर्व या कार्यक्रम का हिस्सा बने हैं. वह एक दशक से ज्यादा समय से देश की सत्ता में हैं और देश के प्रधानमंत्री के तौर पर वह सभी धर्मों के लोगों के बीच पहुंचते रहे हैं.

क्रिश्चियन आउटरीच के चुनावी मायने

सिर्फहिंदू और ईसाई समुदाय ही नहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कार्यकाल में सभी धर्म के लोगों के बीच पहुंचने की हर संभव पहल की है. हाल ही में पीएम मोदी की ओर से केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू अजमेर शरीफदरगाह में चादर चढ़ाकर आए हैं और यह मुस्लिम धार्मिक परंपरा प्रधानमंत्री की ओर से हर साल निभाई जाती है. पीएम मोदी अक्सर मुस्लिम धार्मिक नेताओं के साथ मुलाकात करते हैं. कई मुस्लिम संगठन तो उनके काफी चहेते भी हैं. भारत में जितने भी धर्म और संप्रदाय हैंए सबके प्रति वे विशेष आत्मीय और भावनात्मक लगाव जाहिर करते आए हैं. उनकी इस छवि को देखने से तो यही लगता है कि क्रिसमस के मौके पर प्रधानमंत्री के रूप में एक चर्च पहुंचना, स्पष्ट तौर पर चुनावी नहीं कहा जा सकता. लेकिन वे राजनेता हैं, इसलिए उनके हर कदम को उस नजरिए से देखने और आकलन करने में कोई बुराई भी नहीं है.